पुणे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'ग्रैंडपेरेंट केयर' स्वास्थ्य अभियान शुरू

पुणे : ने लगभग १,००० दिनों की सेवा पूर्ण होने के बाद पुणे के वरिष्ठ नागरिकों के लिए ''ग्रैंडपेरेंट केयर'' नामक विशेष सामाजिक स्वास्थ्य अभियान शुरू किया है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी को ध्यान में रखते हुए यह पहल शुरू की गई है।

अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान में उनके कुल मरीजों में ४० प्रतिशत से अधिक वरिष्ठ नागरिक हैं। ऐसे में बुजुर्गों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक समग्र और संवेदनशील स्वास्थ्य सेवा मॉडल तैयार किया गया है।

अस्पताल के प्रबंध निदेशक एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शरून शितोळे ने कहा कि ''ग्रैंडपेरेंट केयर'' केवल एक स्वास्थ्य सेवा नहीं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के सम्मानपूर्ण और सुरक्षित जीवन के लिए सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में शुरू किया गया अभियान है।

इस पहल के अंतर्गत बुजुर्गों के लिए नेत्र चिकित्सा, नियमित स्वास्थ्य जांच, आपातकालीन सहायता, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श तथा सामाजिक संवाद जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

अभियान को तीन प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है। ''दृष्टि'' कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए मोतियाबिंद एवं नेत्र संबंधी उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ''आश्वास'' योजना के अंतर्गत नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं दीर्घकालीन स्वास्थ्य सुरक्षा सेवाएं दी जाएंगी। वहीं ''अपना सर्कल'' कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के लिए साप्ताहिक संवाद एवं मानसिक सहयोग सत्र आयोजित किए जाएंगे।

पुरंदर एयरपोर्ट परियोजना को मिली रफ्तार,
भूमि अधिग्रहण का ५० प्रतिशत कार्य पूरा : जिलाधिकारी

पुणे, (सोहन सिंह) : जितेंद्र डुडी ने कहा है कि बहुप्रतीक्षित पुरंदर एयरपोर्ट परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब तक करीब ५० प्रतिशत प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। प्रशासन को किसानों से बड़ी संख्या में सहमति पत्र प्राप्त हुए हैं, जिससे परियोजना को गति मिली है।

जिलाधिकारी ने बताया कि लगभग १,५२५ एकड़ भूमि के लिए किसानों ने सहमति दी है और मुआवजे की राशि भी चरणबद्ध तरीके से संबंधित खातों में भेजी जा रही है। प्रशासन का दावा है कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की जा रही है तथा किसानों की समस्याओं और सुझावों को प्राथमिकता के साथ सुना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पुरंदर एयरपोर्ट परियोजना पुणे और आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे न केवल हवाई सेवाओं का विस्तार होगा, बल्कि रोजगार और व्यापार

के नए अवसर भी पैदा होंगे। प्रशासन द्वारा भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए लगातार बैठकें और सर्वे क्षण किए जा रहे हैं। अधिकारियों को निर्दे श दिए गए हैं कि किसानों के साथ समन्वय बनाकर कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जाए।

गौरतलब है कि पुरंदर एयरपोर्ट परियोजना लंबे समय से चर्चा में रही है और इसे पुणे के बढ़ते हवाई यातायात के लिए एक बड़े समाधान के रूप में देखा जा रहा है। अब भूमि अधिग्रहण में तेजी आने से परियोजना के जल्द आगे बढ़ने की उम्मीद बढ़ गई है।

बुधवार पेठ में देर रात चला कॉम्बिंग ऑपरेशन, पुलिस ने खंगाले होटल और लॉज

पुणे, (सोहन सिंह) : द्वारा बुधवार पेठ क्षेत्र में देर रात बड़े पैमाने पर कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। फरासखाना और खडक पुलिस थाने की संयुक्त टीम ने इलाके के कई होटल, लॉज और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर सघन जांच अभियान चलाया।

ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों के दस्तावेजों की जांच की तथा अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास किया। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से रह रही ६ बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में महिलाओं के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले हैं।

सूत्रों के अनुसार महिलाओं को काम दिलाने के बहाने भारत लाया गया था, लेकिन बाद में उन्हें देह व्यापार में धकेले जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अब मानव तस्करी, अवैध घुसपैठ और स्थानीय नेटवर्क की भूमिका को लेकर जांच में जुटी हुई है।

कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने इलाके में कई संदिग्ध लोगों से पूछताछ की और देर रात तक दस्तावेजों की जांच जारी रही। कार्रवाई के चलते बुधवार पेठ इलाके में देर रात तक भारी पुलिस बंदोबस्त देखने को मिला।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में अवैध गतिविधियों और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

येरवडा में महिलाओं के लिए संस्कार एवं संविधान अध्ययन वर्ग का आयोजन

पुणे (वि. स. प्रतिनिधि) : येरवडा स्थित समता नगर नागपुर चाल परिसर में सामाजिक एवं बौद्ध धर्म आधारित जनजागरण गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए त्रिरत्न संघ जेतवन विहार द्वारा महिलाओं के लिए विशेष संस्कार वर्ग का आयोजन किया गया।

संस्था की अध्यक्षा मालती महादेव धीवर के नेतृत्व में आयोजित इस १० दिवसीय संस्कार वर्ग में महिलाओं को सामाजिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों, बौद्ध धम्म तथा सामूहिक सामाजिक कार्यों के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष शोभा कांबळे सहित कांचन कांबळे निरभावणे, अनिता उघाडे, रुक्मिणी रणखंणे, विद्या कांबळे, संगीता बगाडे, लक्ष्मी भोपाळे, सुप्रिया

गायकवाड़ एवं जयश्री शेलार ने सक्रिय भूमिका निभाई। अध्यक्षा मालती धीवर ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज में जागरूकता एवं संस्कार निर्माण के उद्देश्य से भविष्य में भी धर्म एवं सामाजिक गतिविधियों का संचालन लगातार जारी रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी जून माह से महिलाओं के लिए तीन माह का विशेष ''संविधान वाचन वर्ग'' प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें भारतीय संविधान की मूल भावना, अधिकारों एवं सामाजिक समता के विषय में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। संस्था द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है।

बदलते हवामान अनुरूप और लोककेंद्रित सार्वजनिक आरोग्य व्यवस्थाओं की जरुरत

पुणे : केईएम हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर और केईएम हॉस्पिटल पुणे द्वारा ९वें डॉ.बानू कोयाजी स्मृती व्याख्यान का आयोजन बोटक्लब यहाँपर किया गया. इस दौरान एम.एस.स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की अध्यक्ष,जागतिक आरोग्य संघटना की पूर्व मुख्य शास्त्रज्ञ और इंडियन कौन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की पूर्व सरसंचालिका डॉ. सौम्या स्वामीनाथन इन्होंने समुदाय, हवामान और आरोग्यसेवा : लोककेंद्रित सार्वजनिक आरोग्य व्यवस्थाओं का पुनरुज्जीवन (कम्युनिटी,क्लायमेट अॅन्ड केअर – रिव्हाईव्हिंग पीपल-सेंटर्ड पब्लिक हेल्थ सिस्टिम्स) इस विषय पर सादरीकरण किया. इस दौरान केईएम हॉस्पिटल सोसायटी के अध्यक्ष डॉ.कुरूस कोयाजी,केईएम हॉस्पिटल पुणे के वैद्यकीय संचालक डॉ.झक्सेस कोयाजी, केईएम हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर की संचालिका डॉ.लैला गार्डा,केईएम हॉस्पिटल पुणे की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिरीन वाडिया और मुख्य कामकाज अधिकारी डॉ. राकेश शहा आदी मान्यवर उपस्थित थे.

ह्युंडाई मोटर इंडिया फाऊंडेशन की ओर से पुणे में प्रोजेक्ट अधिकार कनेक्ट

पुणे : ह्युंडाई मोटर इंडिया लिमिटेड की सीएसआर शाखा, ह्युंडाई मोटर इंडिया फाऊंडेशन (एचएमआयएफ) ने पुणे के मावल स्थित नवलाख उंबरे में अधिकार कनेक्ट केंद्र का उद्घाटन किया और अधिकार कनेक्ट वाहन को हरी झंडी दिखाई. इसके साथ ही, फाउंडेशन ने महाराष्ट्र में समावेशी विकास और कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है. पुणे में हुआ यह उद्घाटन ह्युंडाई की व्यापक सीएसआर प्रतिबद्धता के कार्यान्वयन का अगला चरण है।

प्रोजेक्ट अधिकार कनेक्ट को उन वंचित और कमजोर समुदायों की सहायता के लिए तैयार किया गया है, जिन्हें सरकारी कल्याणकारी और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पहुँचने में अक्सर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है.

यह प्रोजेक्ट दस्तावेज़ीकरण में सहायता, पात्रता संबंधी मार्गदर्शन, आवेदन प्रक्रिया में मदद और घर-घर जाकर सेवाएँ प्रदान करके इन समुदायों की मदद करता है.

इस पहल से महाराष्ट्र के नागरिकों के लिए ३५० करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँच सुनिश्चित होने की उम्मीद है.

इंद्रिया, आदित्य बिड़ला ज्वेलरी ने मधुरागिनी का अनावरण किया

मिथिला की पवित्र परंपराओं में रची-बसी भगवान राम और सीता के विवाह की पावन गाथा, मधुबनी कला की ज़बान में

मुंबई : इंद्रिया, आदित्य बिड़ला ज्वेलरी, अपने नवीनतम ब्राइडल कलेक्शन मधुरागिनी के लॉन्च के साथ हर महिला को उसके सपनों की दुल्हन बनने का सुनहरा मौका देती है। मिथिला की पवित्र परंपराओं से प्रेरित यह कलेक्शन मधुबनी कला का उत्सव है, जिसे सबसे पहले भगवान राम और सीता के विवाह के भव्य समारोह के लिए रचा गया था। यह प्राचीन दृश्य भाषा दैवीय मिलन, स्त्री जीवन के बदलाव और आध्यात्मिक सुरक्षा के प्रतीकों से भरपूर है और बारीक कारीगरी के ज़रिए हमारे आभूषणों में जीवंत की गई है, ताकि हर नक्काशी विरासत की गहराई और आशीर्वाद की कोमलता को एक साथ समेटे रहे।

यह उत्कृष्ट कृति २२ कैरेट सोने में बनाई गई है, जो बिहार के विवाह संस्कारों की आत्मा को परिभाषित करने वाली मधुबनी कला से प्रेरित है। इसके साथ सभी के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया एक किफायती संग्रह भी है, जिसमें नेकलेस सेट, बालियां, अंगूठियां, मांग टीका, नथ और मंगलसूत्र डोलना शामिल हैं। अलग-अलग मूल्य श्रेणियों में तैयार ये आभूषण हर दुल्हन के विवाह संग्रह का हिस्सा बनने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, चाहे रस्म हो या जश्न।

मधुरागिनी दो अनूठी परतों में प्रस्तुत होती है, जिनमें से हर परत प्रेम और साहचर्य की यात्रा के एक पल को समेटती है। इस उत्कृष्ट कृति का पहला खंड संयुक्ता हार है, एक दिव्य चोकर, जो विवाह की भव्यता को सोने में एक पवित्र शोभायात्रा की तरह उकेरता है। इसके केंद्र में दूल्हा और दुल्हन संतुलन और मिलन के प्रतीक के रूप में एक-दूसरे के साथ खड़े हैं, साथ में मनमोहक मोर है और चारों ओर बाराती हैं जो बिहार के पारंपरिक समारोह की जीवंत आत्मा को दर्शाते हैं।